Read India Books

खिलखिल तोता

मनोरमा जफ़ा

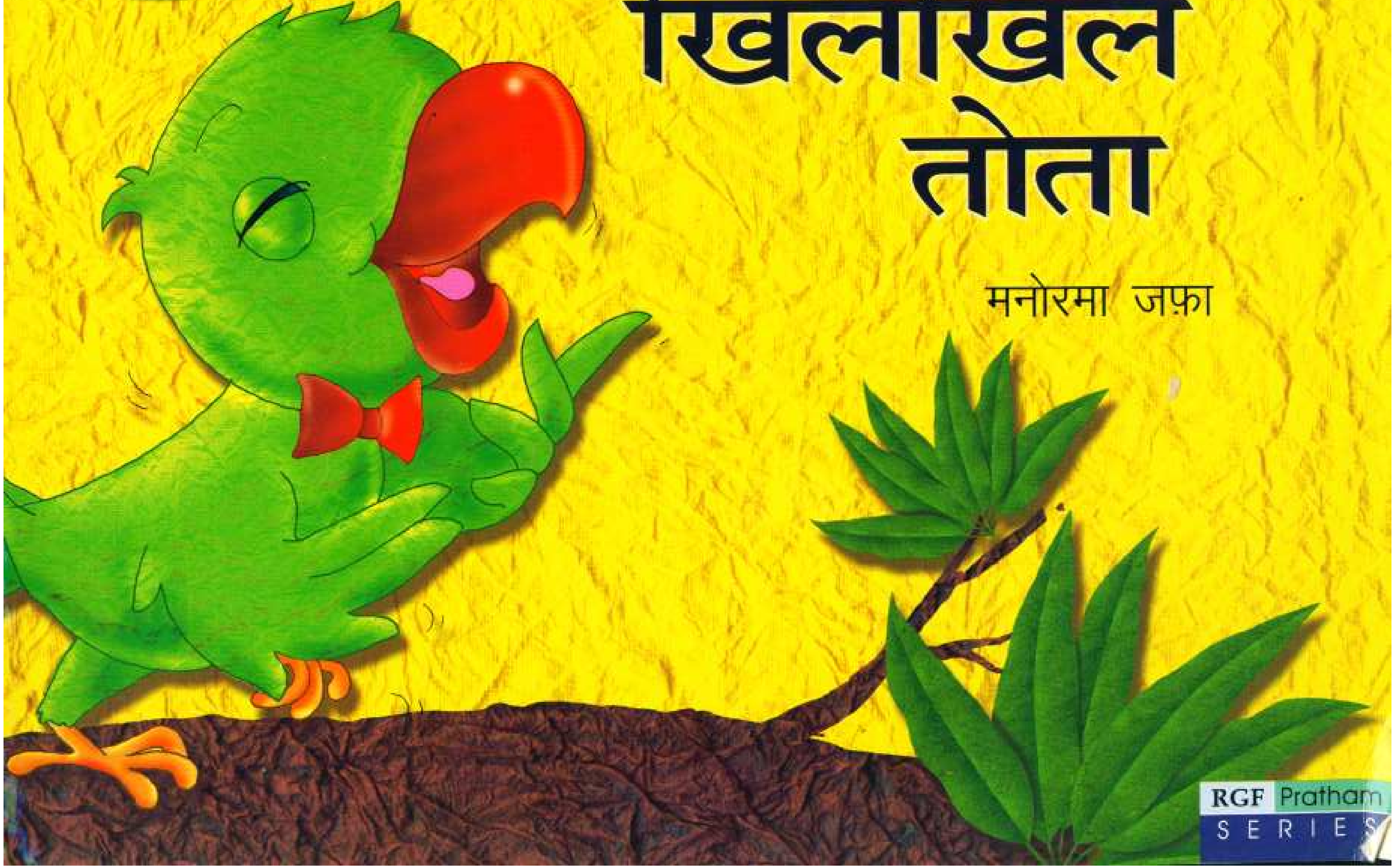

RGF Pratham SERIES

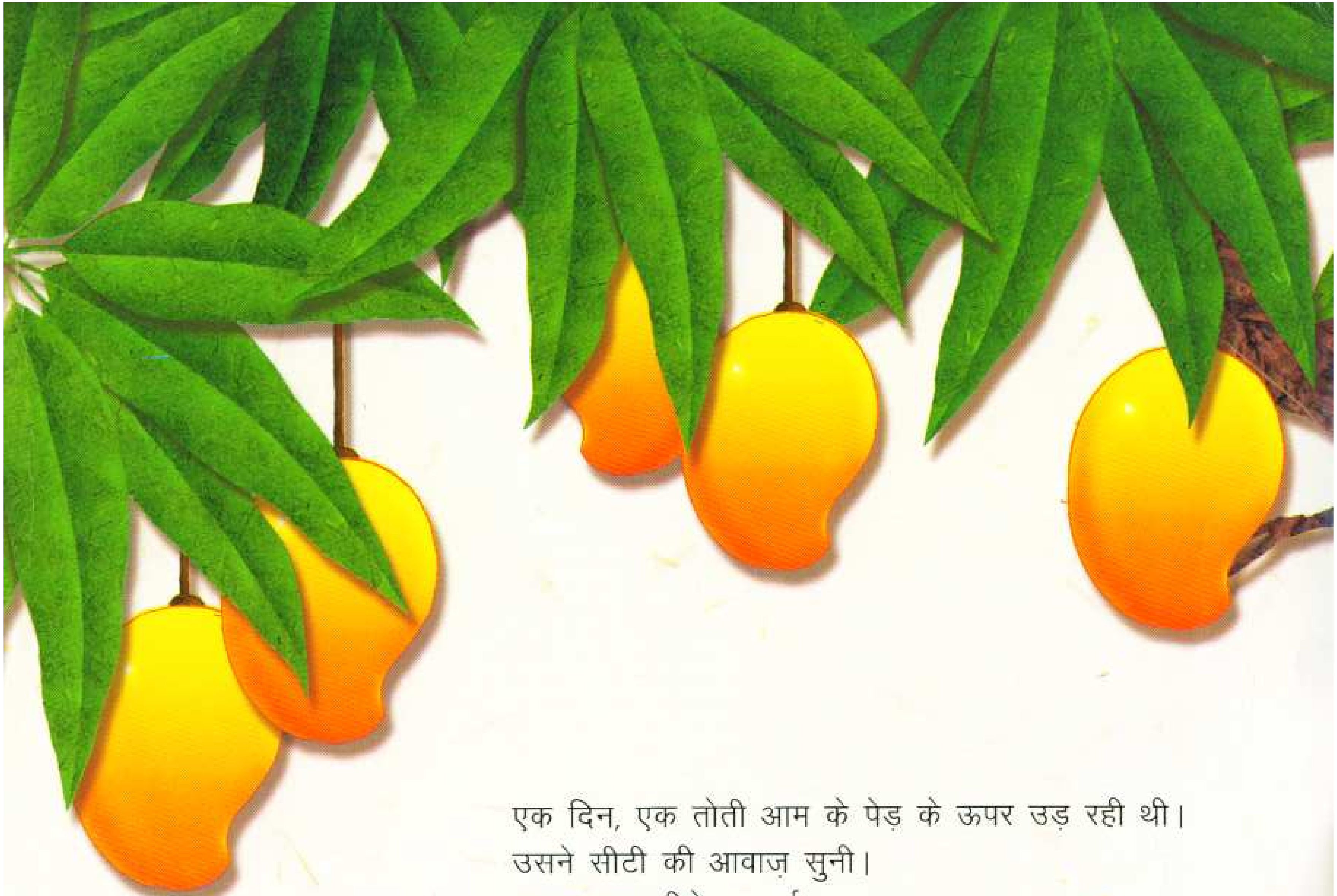

एक दिन, एक तोती आम के पेड़ के ऊपर उड़ रही थी।
उसने सीटी की आवाज़ सुनी।
वह उड़कर नीचे आ गई।

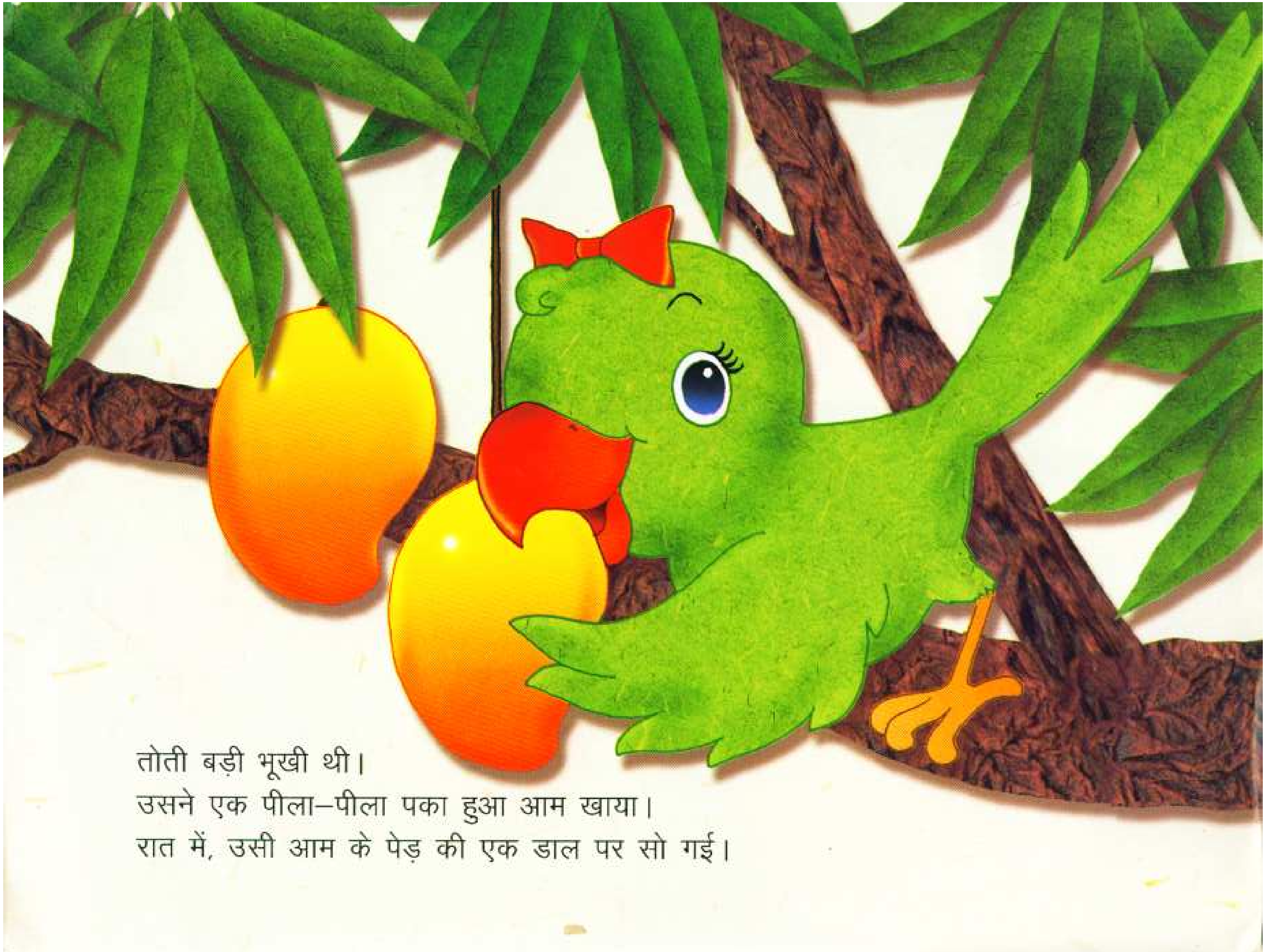

तोती बड़ी भूखी थी।
उसने एक पीला–पीला पका हुआ आम खाया।
रात में, उसी आम के पेड़ की एक डाल पर सो गई।

सुबह ही सुबह तोती को शेर की दहाड़ सुनाई दी। ख़ै ख़ै ख़ै।
उसने नीचे देखा, एक तोता अपने कोटर में से झांक रहा था।
तोती ने उससे पूछा, "क्या आपने शेर की दहाड़ सुनी?"

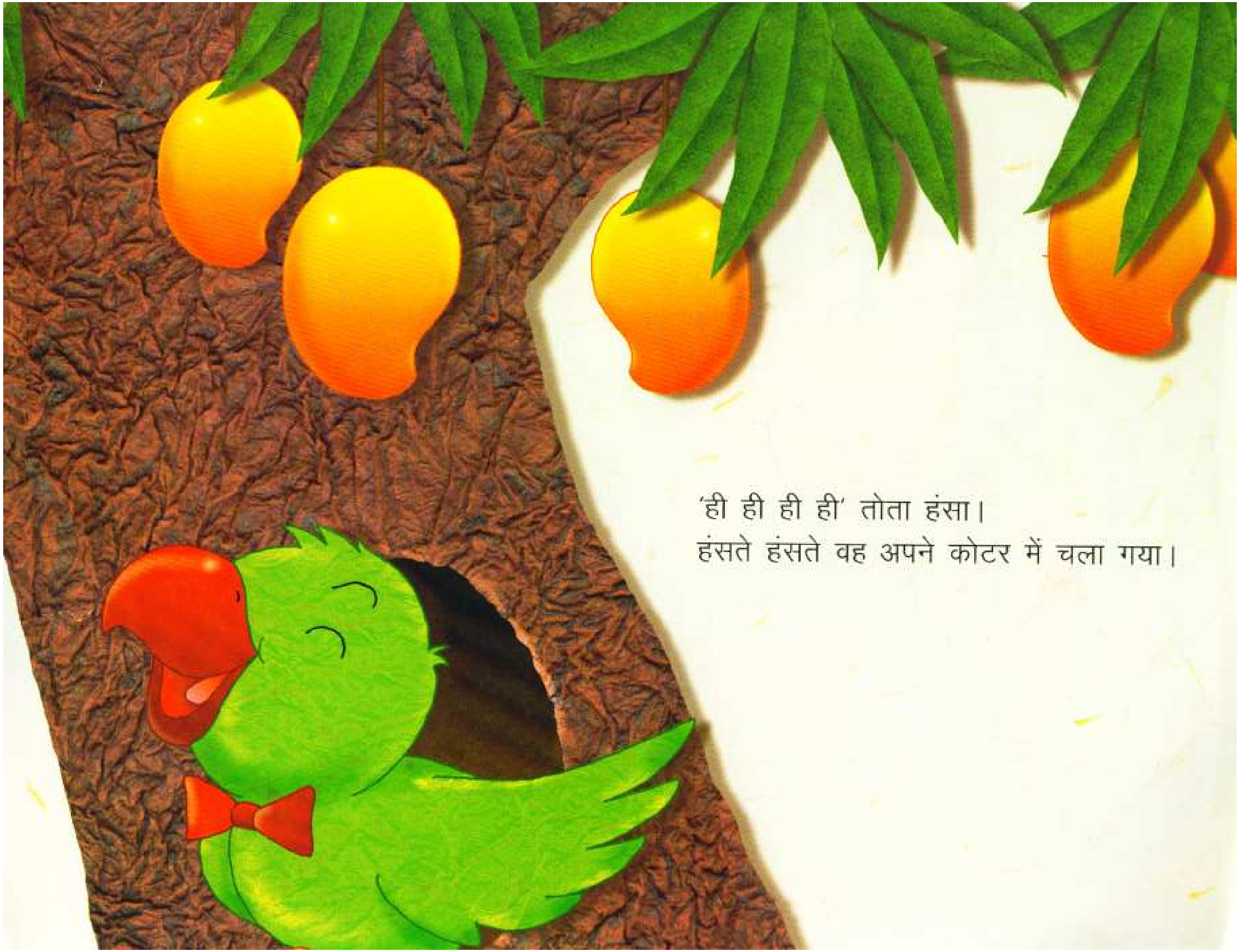

‘ही ही ही ही’ तोता हंसा।
हंसते हंसते वह अपने कोटर में चला गया।

अगले दिन सुबह तोती को कुत्ते का भौंकना सुनाई दिया, ''भौं, भौं, भौं।''
तोती ने नीचे देखा, वही तोता था।
तोती ने उससे पूछा, ''जनाब! आपने क्या कुत्ते का भौंकना सुना?''

'ही ही ही, हा हा हा'
तोता खिलखिलाकर हंसा।
और अपनी कोटर में चला गया।

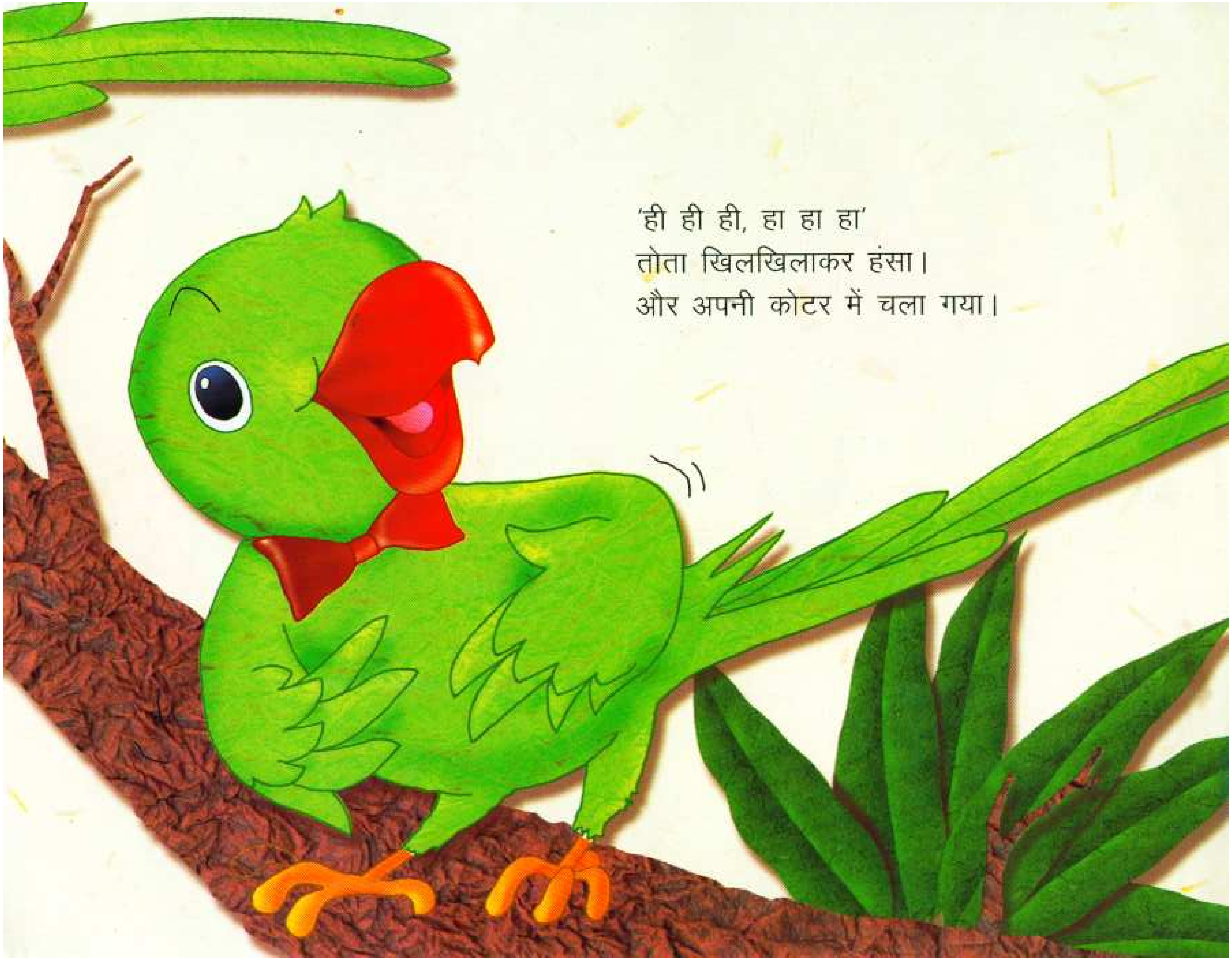

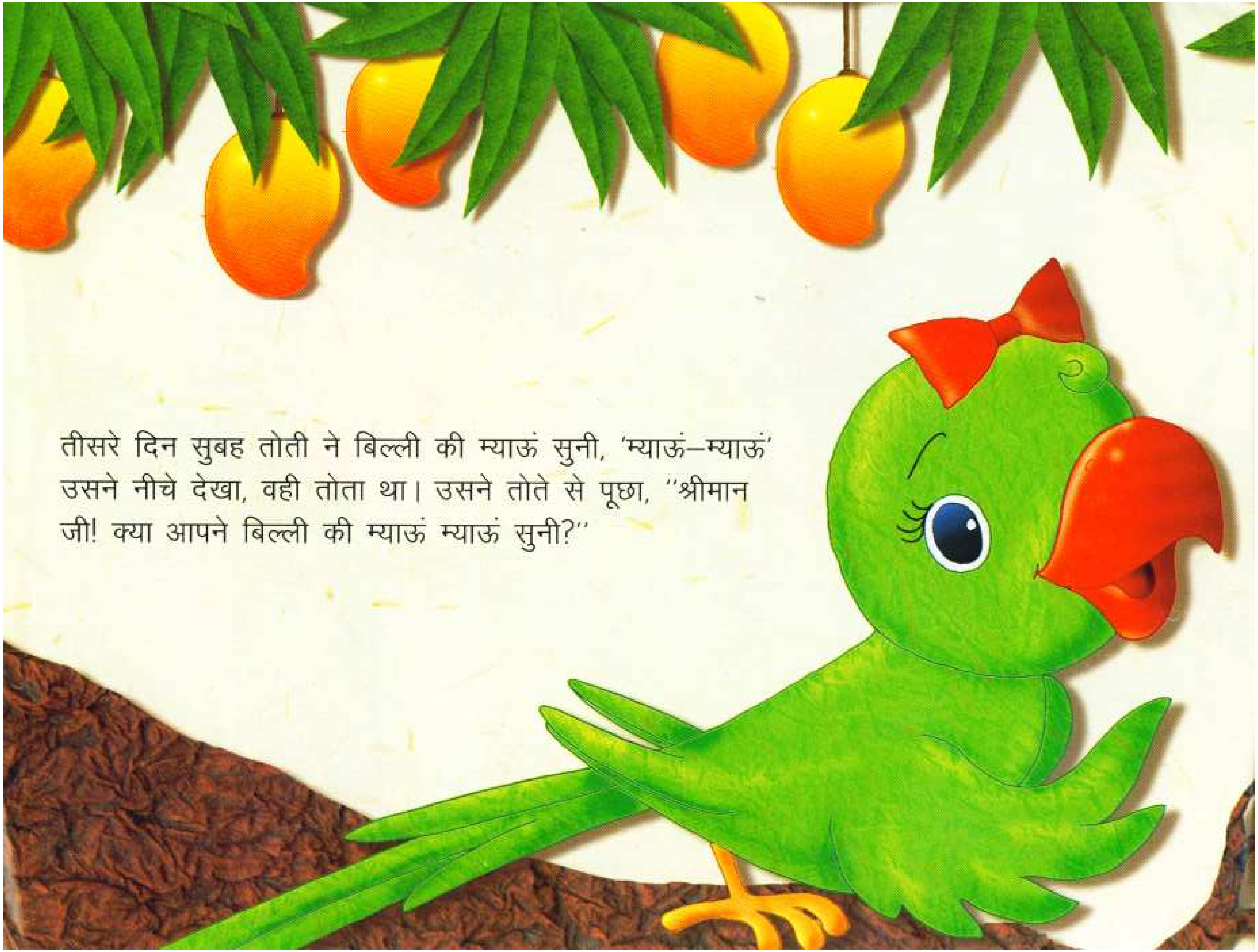

तीसरे दिन सुबह तोती ने बिल्ली की म्याऊं सुनी, 'म्याऊं–म्याऊं' उसने नीचे देखा, वही तोता था। उसने तोते से पूछा, ''श्रीमान जी! क्या आपने बिल्ली की म्याऊं म्याऊं सुनी?''

'ही ही ही, हा हा हा, हे हे हे''
तोता खूब खिलखिलाकर हंसा।
और अपनी कोटर में चला गया।

सुबह ही सुबह तोती को शेर की दहाड़ सुनाई दी। ख़ै ख़ै ख़ै।
उसने नीचे देखा, एक तोता अपने कोटर में से झांक रहा था।
तोती ने उससे पूछा, ''क्या आपने शेर की दहाड़ सुनी?''

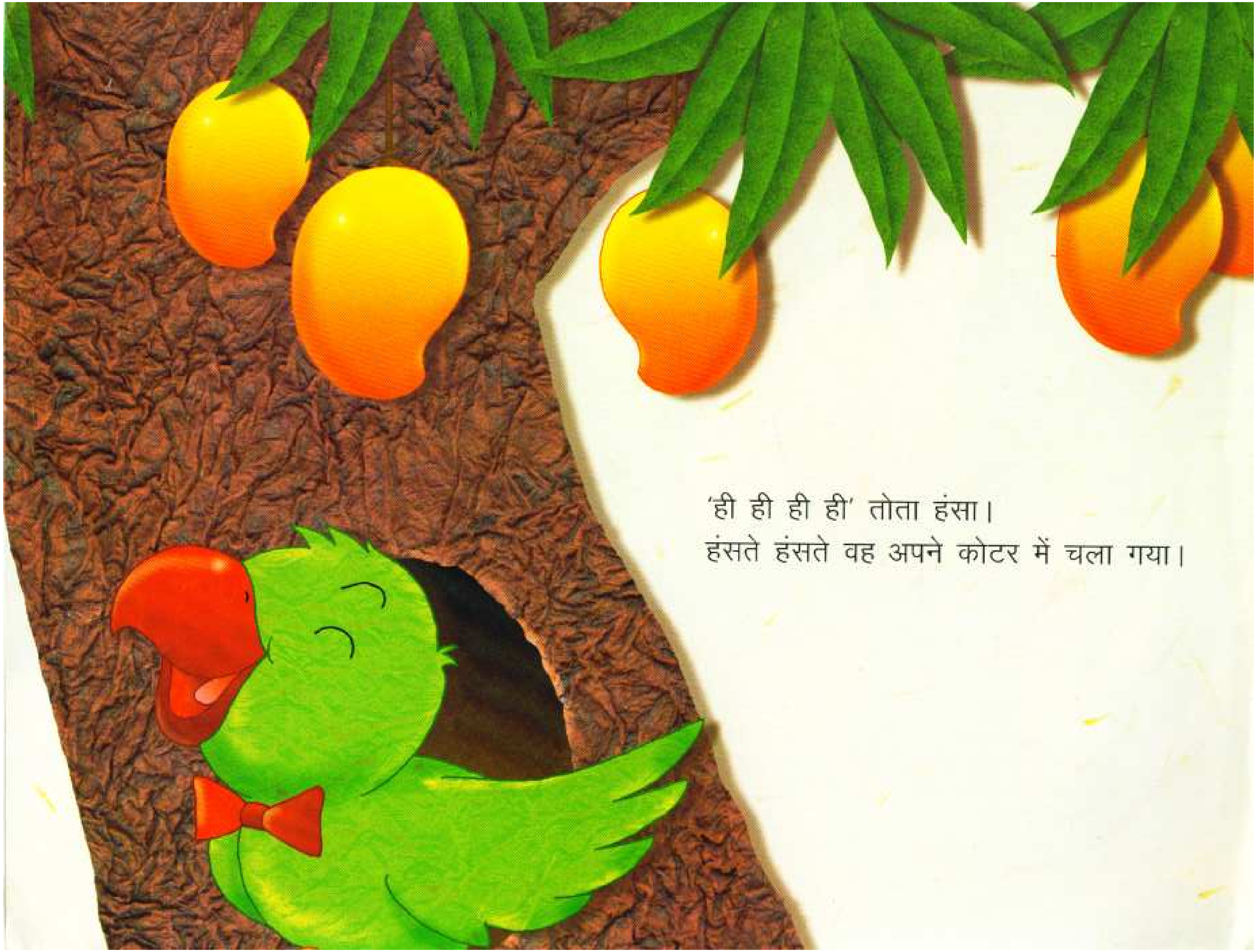

'ही ही ही ही' तोता हंसा।
हंसते हंसते वह अपने कोटर में चला गया।

अगले दिन सुबह तोती को कुत्ते का भौंकना सुनाई दिया, ''भौं, भौं, भौं।''
तोती ने नीचे देखा, वही तोता था।
तोती ने उससे पूछा, ''जनाब! आपने क्या कुत्ते का भौंकना सुना?''

'ही ही ही, हा हा हा'
तोता खिलखिलाकर हंसा।
और अपनी कोटर में चला गया।

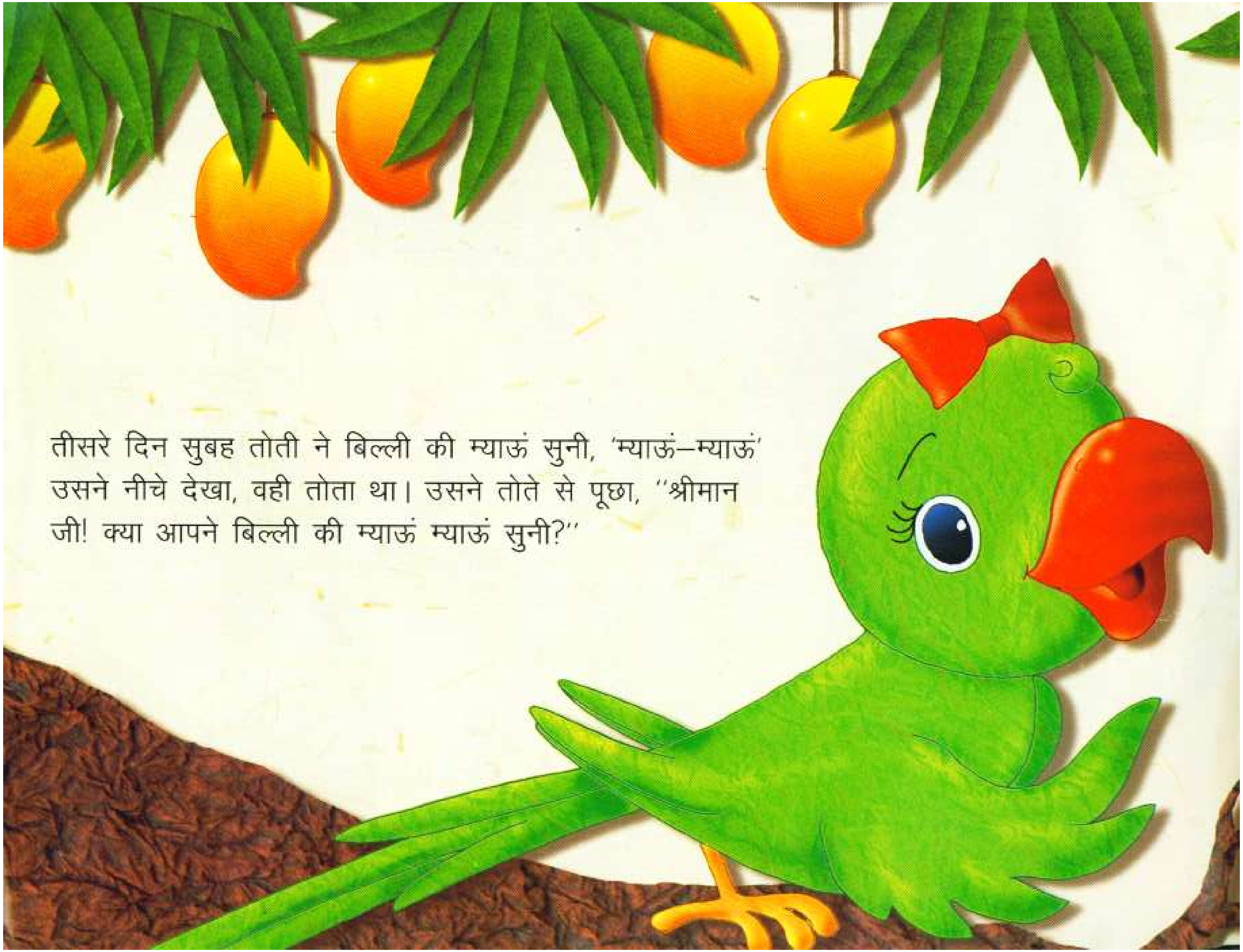

तीसरे दिन सुबह तोती ने बिल्ली की म्याऊं सुनी, 'म्याऊं–म्याऊं' उसने नीचे देखा, वही तोता था। उसने तोते से पूछा, ''श्रीमान जी! क्या आपने बिल्ली की म्याऊं म्याऊं सुनी?''

'ही ही ही, हा हा हा, हे हे हे''
तोता खूब खिलखिलाकर हंसा।
और अपनी कोटर में चला गया।

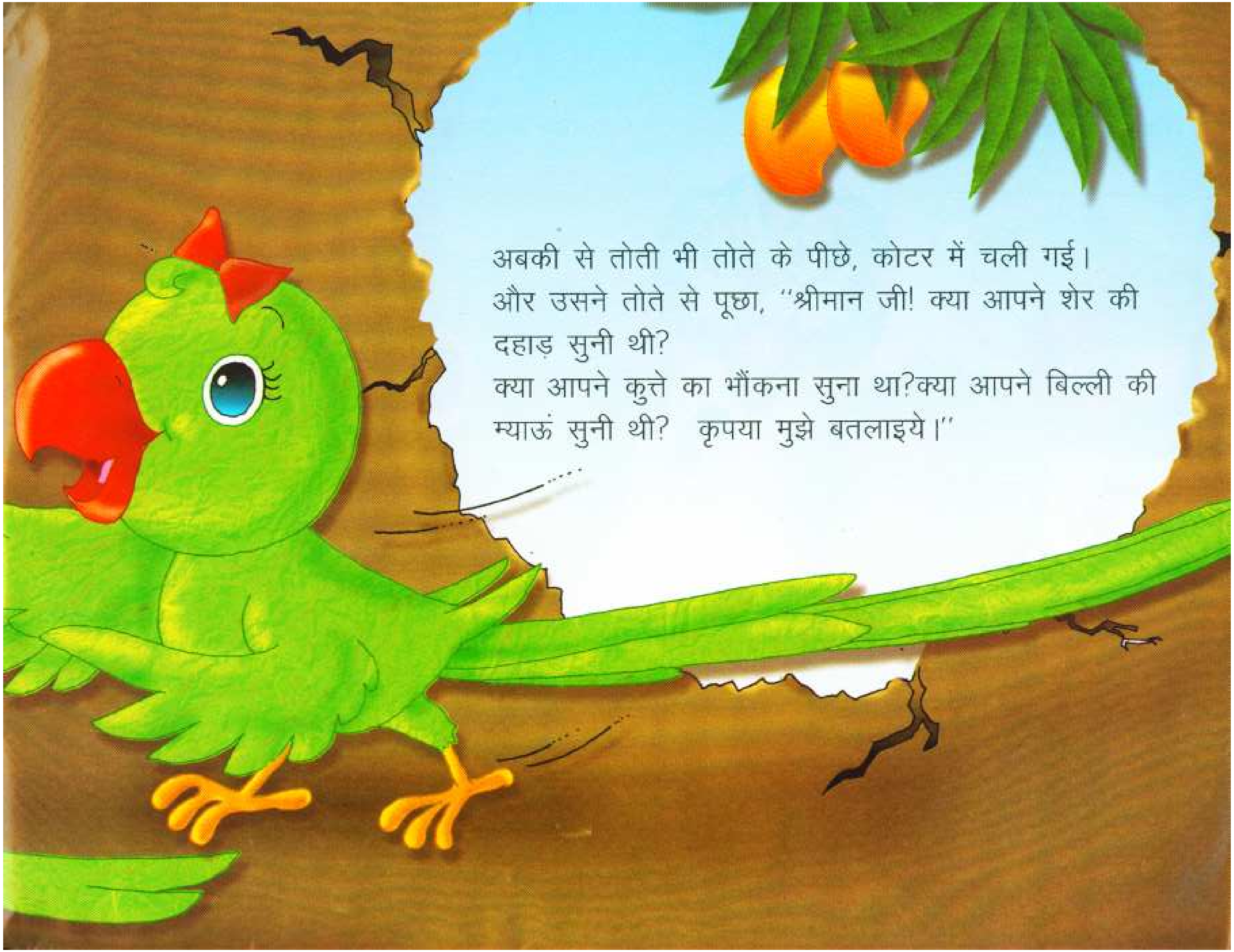

अबकी से तोती भी तोते के पीछे, कोटर में चली गई।
और उसने तोते से पूछा, ''श्रीमान जी! क्या आपने शेर की
दहाड़ सुनी थी?
क्या आपने कुत्ते का भौंकना सुना था?क्या आपने बिल्ली की
म्याऊं सुनी थी? कृपया मुझे बतलाइये।''

तोते ने पहले सीटी बजाई।
फिर शेर की तरह दहाड़ा।

कुत्ते की तरह भौंका।
और बिल्ली की तरह 'म्याऊं म्याऊं' की।

तोता फिर खिलखिलाकर हंसा,
'ही ही ही, हा हा हा, हे हे हे।
''तो जनाब, आप ही आवाज़ें निकाल रहे थे?'' तोती बोली।
और, और और
तोते ने तोती को सीटी बजाना सिखाया।
शेर की तरह दहाड़ना सिखाया।
कुत्ते की तरह भौंकना सिखाया।
बिल्ली की तरह 'म्याऊं म्याऊं'
करना सिखाया।

फिर तोता और तोती दोनों मिलकर खूब हंसे।
.. ही ही ही, हा हा हा, हे हे हे
..और दोनों ने साथ–साथ गाना गाया।
''हम रहेंगे साथ–साथ, सदा रहेंगे साथ–साथ।''

Original Story (*English*) The Laughing Parrot by Manorama Jafa
Hindi Translation by Manorama Jafa
Hindi Translation © Rajiv Gandhi Foundation-Pratham Books, 2004

First Hindi Edition: 2004

Illustrations: Viky Arya

Registered Office :
PRATHAM BOOKS
930, 4th Cross, 1st Main, MICO Layout, Stage 2,
Bangalore 560 076

Regional Offices in Mumbai and New Delhi

Typesetting and Layout by :
Pratham Books

Printed by :
Excel Printers Pvt. Ltd.
New Delhi

Published by :
Pratham Books
www.prathambooks.org

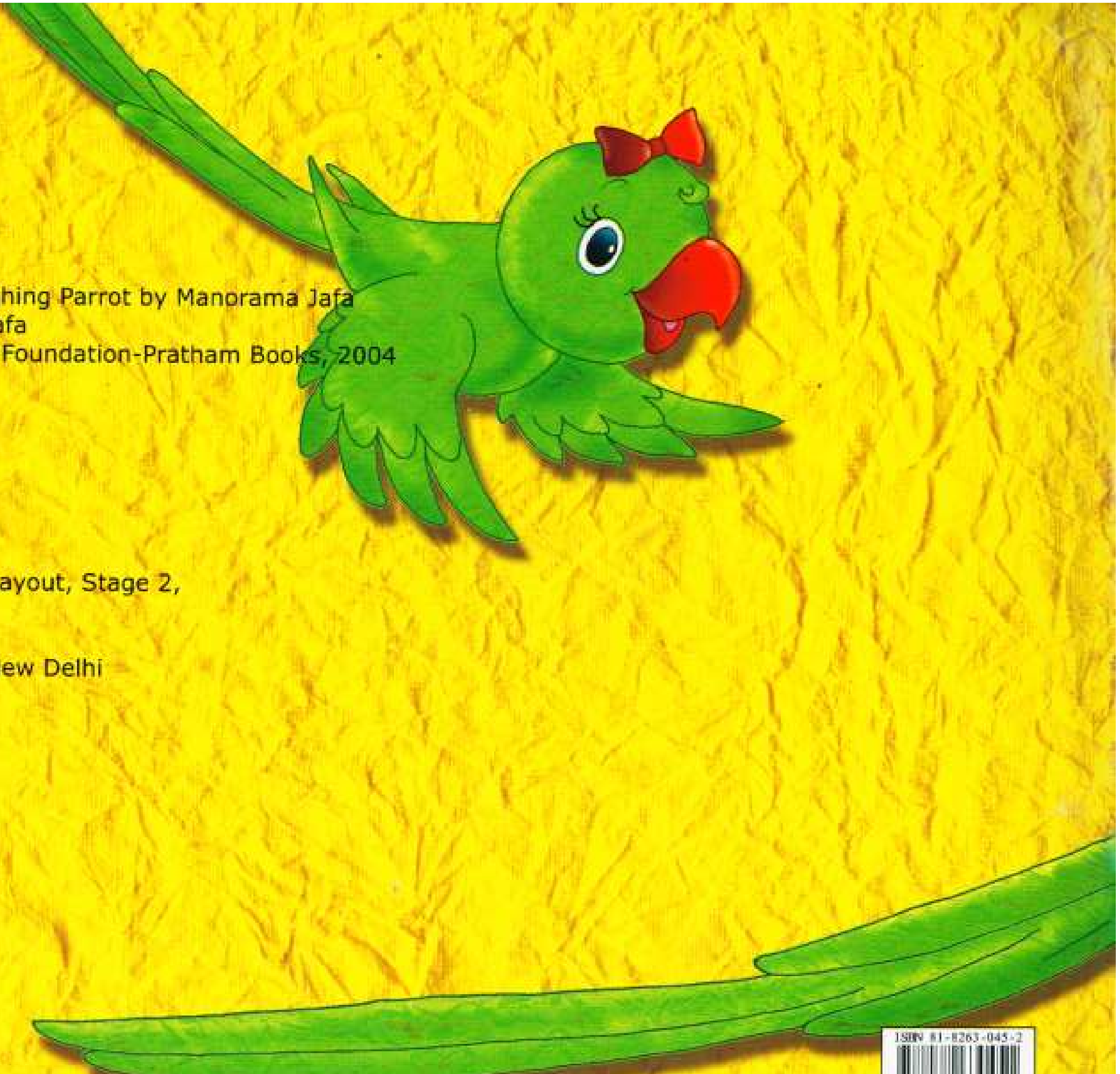

Pratham Books
Khilkhil Tota (Hindi)

M.R.P. Rs. 20.00

ISBN 81-8263-045-2